चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 31.3.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4-6

मशरूम उत्पादन का जिले के 33 बेरोजगार युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में भारतीय कृषि कौशल परिषद् द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट के तहत मशरूम उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से 33 बेरोजगार युवकों व किसानों ने भाग लिया।

इस दौरान विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने किसानों से अधिक लाभ कमाने के लिए परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों की सेवा में हमेशा तत्पर रहता है। किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर अधिक से अधिक जानकारी हासिल करें और अपने उत्पादन में बढ़ोत्तरी करें। इस अवसर पर डॉ. हुड्डा ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा किट भी वितरित किए। इस दौरान मंजू दहिया भी उपस्थित रहीं।

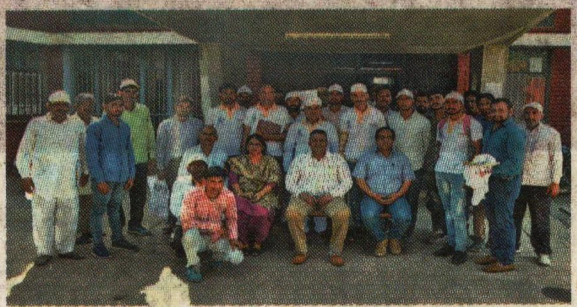

एचएयू में खुब प्रशाक्षिण के दौरान डॉ. आर.एस. हुड्डा प्रशिक्षणार्थियों के साथ ।

प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ खुंब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह ने खुंब के दैनिक आहार में महत्व पर प्रकाश डाला व बताया कि खुंब एक सरल व सस्ता व्यवसाय है जिसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं और अच्छी आमदनी ले सकते हैं। प्रशिक्षण के संयोजक राकेश कुमार ने बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, दुधिया शिटाके व कौरडीसैप खुंब की उत्पादन तकनीक के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने खुंब के लिए खाद, बीज बनाना व खुंब भवन में क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए की जानकारी दी। सूत्रकृमि वैज्ञानिक डॉ. अनिल वत्स ने सूत्रकृमि से बचाव के समाधान सुझाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 31.3.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 6-8

किसानों की सेवा में विवि हमेशा तत्पर : हुड्डा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

प्रशिक्षणार्थियों के साथ मुख्य अतिथि डॉ. आरएस हुड्डा।

हिसार। एएचयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट के अंतर्गत मशरूम उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से 33 बेरोजगार युवकों व किसानों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने किसानों से अधिक लाभ कमाने के लिए परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. हुड्डा ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा किट भी वितरित किए। प्रशिक्षण संस्थान की सह निदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने भारतीय कृषि कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण किसानों को उनके हुनर को तराशने का जरिया है, इसलिए किसानों को इनमें अवश्य भाग लेना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ खुंभ वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह ने खुंभ के दैनिक आहार में महत्व पर प्रकाश डाला व बताया कि खुंभ एक सरल व सस्ता व्यवसाय है, जिसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं और अच्छी आमदनी ले सकते हैं।

संयोजक ने दी मशरूम की जानकारी

प्रशिक्षण के संयोजक राकेश कुमार ने बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, दुधिया शिटाके व कौरडीसैप खुंभ की उत्पादन तकनीक के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने खुंभ के लिए खाद, बीज बनाना व खुंभ भवन में क्या क्या सावधानियां रखनी चाहिए आदि के बारे में जानकारी दी। सूत्रकृमि वैज्ञानिक डॉ. अनिल वत्स ने सूत्रकृमि से बचाव के समाधान सुझाए। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया व सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भूमि .....

दिनांक 31.3.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 1

मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन

हिसार। हकृवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में भारतीय कृषि कौशल परिषद् द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट के अंतर्गत मशरूम उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से 33 बेरोजगार युवकों व किसानों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों से अधिक लाभ कमाने के लिए परंपरागत खेती के साथ वैकल्पि व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों की सेवा में हमेशा तत्पर रहता है। किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर अधिक से अधिक जानकारी हासिल करें और अपने उत्पादन में बढ़ोतरी करें।

उक्त प्रशिक्षण संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा भारतीय कृषि कौशल परिषद् की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण किसानों को उनके हुनर को तराशने का जरिया है इसलिए किसानों को इनमें अवश्य भाग लेना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... नभ छोर ....

दिनांक 30.3.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-4

मशरूम उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हिसार/30 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में भारतीय कृषि कौशल परिषद् द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट के अंतर्गत मशरूम उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से 33 बेरोजगार युवकों व किसानों ने भाग लिया। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने किसानों से अधिक लाभ कमाने के लिए परंपरागत खेती के साथ वैकल्पि व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों की सेवा में हमेशा तत्पर रहता है। किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर अधिक से अधिक जानकारी हासिल करें और अपने उत्पादन में बढ़ोतरी करें। इस अवसर पर डॉ. हुड्डा ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा किट भी वितरित किए। उक्त प्रशिक्षण संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा भारतीय कृषि कौशल परिषद् की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण किसानों को उनके हुनर को तराशने का जरिया है इसलिए किसानों को इनमें अवश्य भाग लेना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ खुंब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह ने खुंब के दैनिक आहार में महत्व पर प्रकाश डाला व बताया कि खुंब एक सरल व सस्ता व्यवसाय है जिसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं और अच्छी आमदनी ले सकते हैं। प्रशिक्षण के संयोजक राकेश कुमार ने बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, दुधिया शिटाके व कौरडीसैप खुंब की उत्पादन तकनीक के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने खुंब के लिए खाद, बीज बनाना व खुंब भवन में क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए, के बारे में जानकारी दी। सूत्रकृमि वैज्ञानिक डॉ. अनिल वत्स ने सूत्रकृमि से बचाव के समाधान सुझाए।